बालाजी नाचे छम छम | By Bhavika Pagli

राम की मस्त में नाचे पाँव में घुंघरू है बाजे
बजरंगी नाचे बालाजी नाचे
बजरंगी नाचे छम छम छम छम बालाजी नाचे छम छम छम छम
हाथ घडताल बेजान जी राम की मस्ती में नाचे
बजरंगी नाचे बालाजी नाचे
बजरंगी नाचे छम छम छम छम बालाजी नाचे छम छम छम छम

राम की धुन में रहता मगन ये
राम का सेवक प्यारा रे देखो
राम प्रभु की शरण में रहता
भरत सा लगता प्यारा रे देखो
राम का बना हुआ दरबान
है लीला इनकी अजब महान
बजरंगी नाचे.....

रोम रोम में राम समाये
सूरत मन में बसा ली ये बाबा
सीना फाड़ दिखाया जग को
लीला अजब निराली ये बाबा
हृदय में सियाराम हैं इनके बिराजे
राम की भक्ति में है राजे
बजरंगी नाचे.....

मेहंदीपुर में ये बाबा तो
सबके संकट काटे बालाजी
सालासर के मंदिर में ये
झोली भर भर बांटे बालाजी
धाम है दोनों जग से निराले
स्नेह तू इनकी महिमा गा ले
बजरंगी नाचे.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%9a%e0%a5%87-%e0%a4%9b%e0%a4%ae-%e0%a4%9b%e0%a4%ae-by-bhavika-pagli/